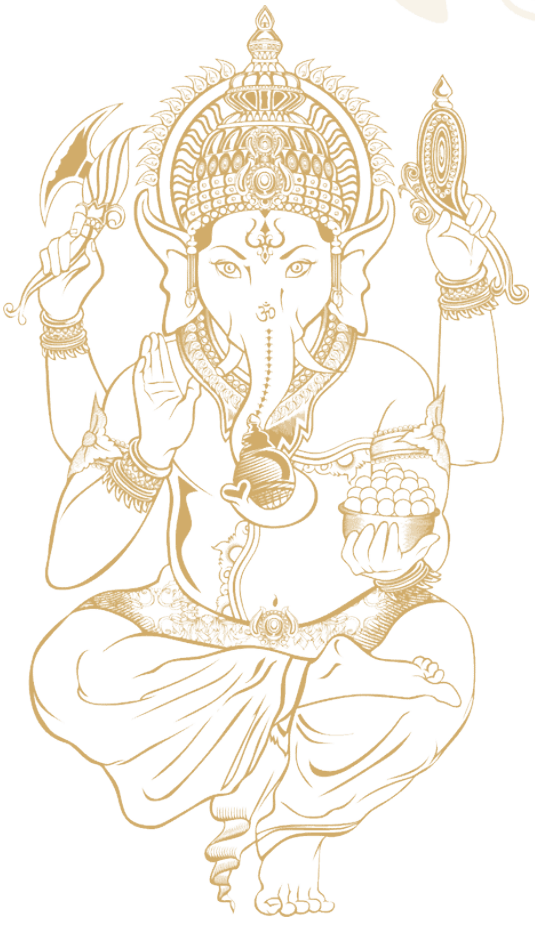

Jaydeep

Kritika khatri

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121816201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121816201 Date: 04/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/08/2000	जन्म तिथि	15/02/2002
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:11:00	जन्म समय	10:07:00 घंटे
घटी 08:06:01	जन्म समय(घटी)	08:57:46 घटी
India	देश	India
Chennai Suburbani	स्थान	Jodhpur
13:05:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
80:16:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:56	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:35	सूर्योदय	07:13:43
18:30:12	सूर्यास्त	18:29:50
23:51:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:56

कन्या	लग्न	मीन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
श्रवण	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
सौभाग्य	योग	सिद्ध
विष्टि	करण	गर
खू-खूबचन्द	जन्म नामाक्षर	दू-दूती
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
वानर	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 5वर्ष 5मा 19दि		14:26:14	कन्या	लग्न	मीन	29:53:20	शनि 18वर्ष 4मा 30दि	
राहु		27:47:52	कर्क	सूर्य	कुंभ	02:25:57	बुध	
01/02/2013		16:02:28	मक	चंद्र	मीन	03:44:34	17/07/2020	
02/02/2031		14:35:09	कर्क	मंगल	मीन	25:49:19	17/07/2037	
राहु	15/10/2015	19:26:12	कर्क	बुध	मक	06:57:49	बुध	13/12/2022
गुरु	10/03/2018	14:02:25	वृष	गुरु व	मिथु	12:05:07	केतु	10/12/2023
शनि	14/01/2021	15:15:47	सिंह	शुक्र	कुंभ	10:02:56	शुक्र	10/10/2026
बुध	03/08/2023	06:21:24	वृष	शनि	वृष	14:11:49	सूर्य	17/08/2027
केतु	21/08/2024	29:13:47	मिथु व	राहु व	मिथु	00:04:55	चन्द्र	15/01/2029
शुक्र	22/08/2027	29:13:47	धनु व	केतु व	धनु	00:04:55	मंगल	12/01/2030
सूर्य	15/07/2028	24:52:04	मक व	हर्ष	कुंभ	01:01:21	राहु	01/08/2032
चन्द्र	14/01/2030	10:51:30	मक व	नेप	मक	15:14:25	गुरु	07/11/2034
मंगल	02/02/2031	16:18:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:25:59	शनि	17/07/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

23:51:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:56

लग्न-चलित

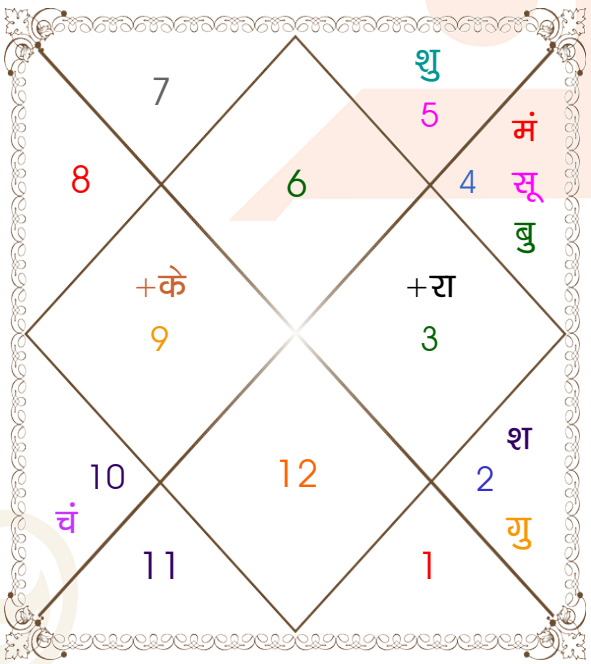

लग्न-चलित

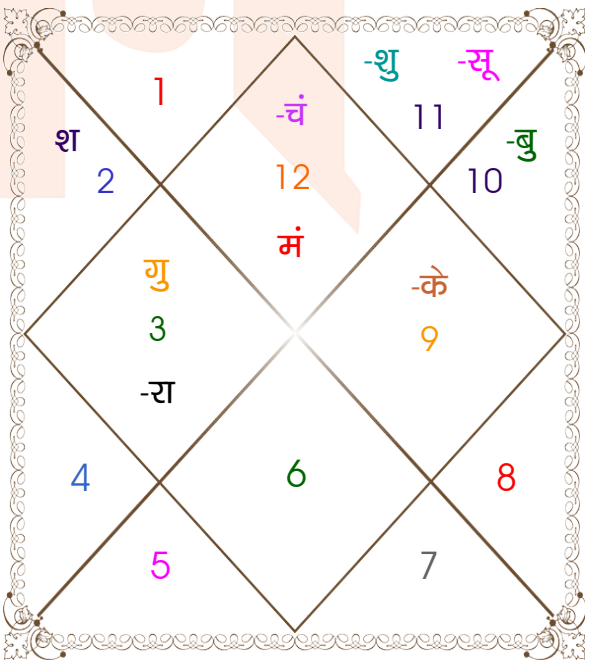

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

कुल : **29.5 / 36**

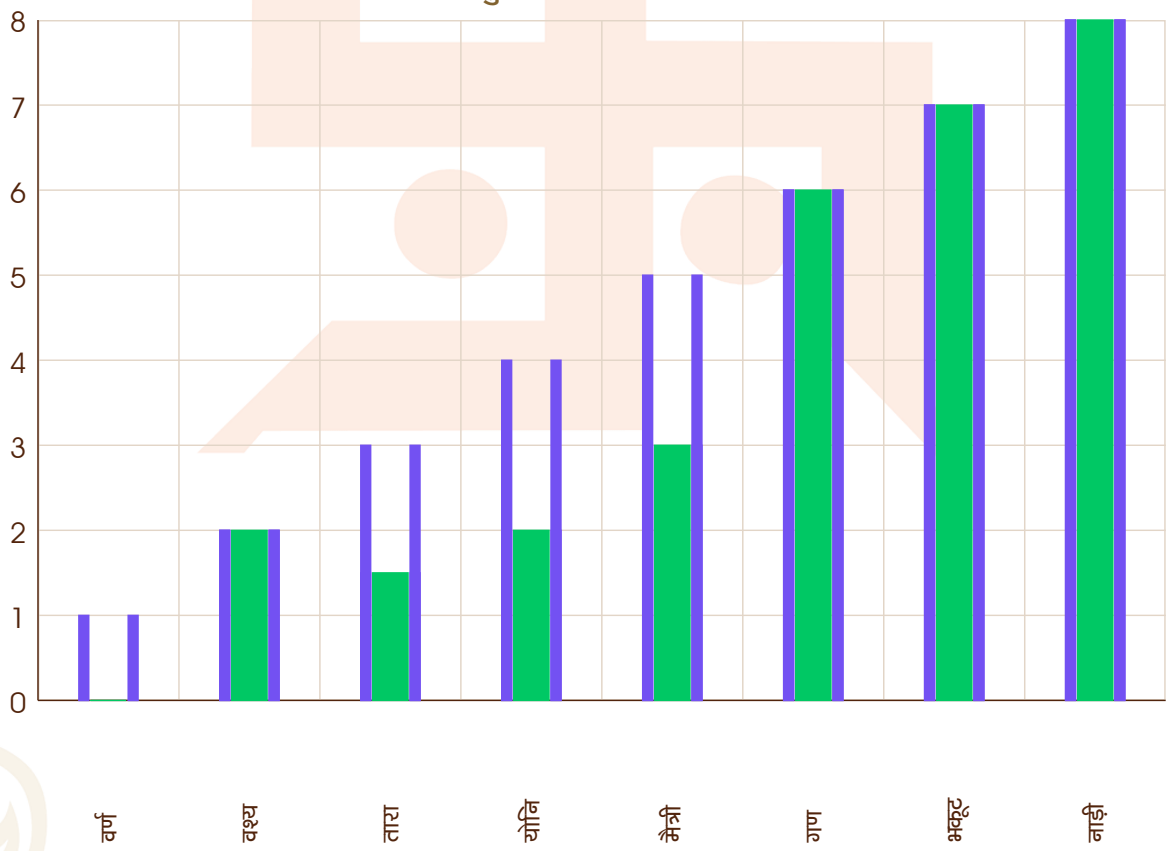

अष्टकूट मिलान

श्रंलकममच का वर्ग मार्जार है तथा Kritika khatri का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंलकममच और Kritika khatri का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंलकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Kritika khatri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Kritika khatri कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल श्रंलकममच कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

श्रंलकममच तथा Kritika khatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

श्रंलकममच का वर्ण वैश्य है तथा Kritika khatri का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Kritika khatri का वर्ण श्रंलकममच के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Kritika khatri अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Kritika khatri को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

श्रंलकममच का वश्य जलचर है एवं Kritika khatri का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

श्रंलकममच की तारा साधक तथा Kritika khatri की तारा प्रत्यरि है। Kritika khatri की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह श्रंलकममच एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Kritika khatri का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Kritika khatri के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। श्रंलकममच अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

श्रंलकममच की योनि वानर है तथा Kritika khatri की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में श्रंलकममच एवं Kritika khatri दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

श्रंलकममच का गण देव तथा Kritika khatri का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Kritika khatri अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

श्रंलकममच से Kritika khatri की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Kritika khatri से श्रंलकममच की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण श्रंलकममच अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Kritika khatri सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी

तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

श्रंलकममच की नाड़ी अन्त्य है तथा Kritika khatri की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

श्रंलकममच की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Kritika khatri की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। राशि के तत्वों में समानता होने के कारण श्रंलकममच और Kritika khatri के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे इनके परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

श्रंलकममच की राशि का स्वामी शनि तथा Kritika khatri की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः श्रंलकममच और Kritika khatri की परस्पर मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सदभावना तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से हमेशा प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर सौहार्द का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति विश्वसनीय रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

श्रंलकममच एवं Kritika khatri की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान पूर्वक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा व्यक्तिगत मामलों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे जिससे परस्पर सम्मान तथा सदभाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त श्रंलकममच एवं Kritika khatri की प्रवृति एक दूसरे के लिए त्यागशील रहेगी तथा सक्रिय रूप से एक दूसरे का ध्यान रखेंगे।

श्रंलकममच एवं Kritika khatri का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। साथ ही काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः वैवाहिक जीवन के सुखद क्षणों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

श्रंलकममच का वर्ण वैश्य तथा Kritika khatri का वर्ण ब्राह्मण है। अतः श्रंलकममच की प्रवृति धनार्जन की रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Kritika khatri शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगी। अतः यदा कदा कार्य क्षेत्र में परस्पर मतभेद या असमानता का भाव उत्पन्न हो सकता है परन्तु सामान्यतया इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

श्रंलकममच और Kritika khatri की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। श्रंलकममच और Kritika khatri की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय

में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Kritika khatri एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

श्रंलकममच की नाड़ी अन्त्य तथा Kritika khatri की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से श्रंलकममच का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी श्रंलकममच पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए श्रंलकममच को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी श्रंलकममच के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

संतान

संतति के दृष्टि से श्रंलकममच एवं Kritika khatri का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Kritika khatri का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Kritika khatri के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Kritika khatri को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Kritika khatri सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। श्रंलकममच और Kritika khatri बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार श्रंलकममच और Kritika khatri का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Kritika khatri के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Kritika khatri धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Kritika khatri के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Kritika khatri का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Kritika khatri से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

श्रंलकममच के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को श्रंलकममच अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी श्रंलकममच के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण श्रंलकममच के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।